ब्रह्मांड के उत्पत्ति पर कुरआन

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख पवित्र क़ुरआन पवित्र क़ुरआन के वैज्ञानिक चमत्कार

श्रेणी: लेख सबूत इस्लाम सत्य है पवित्र क़ुरआन के वैज्ञानिक चमत्कार

द्वारा: islam-guide.com

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 04 Nov 2021

आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान, अवलोकन और सैद्धांतिक, स्पष्ट रूप से बताता है कि एक समय पूरा ब्रह्मांड 'धुएं' के बादल के अलावा कुछ भी नहीं था (यानी एक अपारदर्शी, अत्यधिक घनी और गर्म गैसीय संरचना)।[1] यह आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के निर्विवाद सिद्धांतों में से एक है। वैज्ञानिक अब उस 'धुएं' के अवशेषों से बनने वाले नए तारों को देख सकते हैं (चित्र 1 और 2 देखें)।

चित्र 1: गैस और धूल (नेबुला) के बादल से बना एक नया तारा जो उस 'धुएं' के अवशेषों में से एक है जिससे पूरा ब्रह्मांड बना था। (द स्पेस एटलस, हीथर एंड हेनबेस्ट, पृष्ट 50)

चित्र 2: लैगून नेबुला गैस और धूल का एक बादल है, जिसका व्यास लगभग 60 प्रकाश वर्ष है। यह गर्म तारों के अल्ट्रावायलेट रेडिएशन से चमक रहा है जो हाल ही में इसके ढेर में बना है। (क्षितिज, ब्रह्मांड की खोज, बीज, प्लेट 9, खगोल विज्ञान में अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालयों का संघ, इंक. द्वारा)

हम रात मे जो जगमगाते तारे देखते हैं वे पूरे ब्रह्मांड की तरह ही उस 'धुएँ' जैसे थे। ईश्वर क़ुरआन में कहता है:

"फिर आसमान की तरफ देखा और वह धुआं था..." (क़ुरआन 41:11)

क्योंकि जमीन और ऊपर आसमान (सूरज, चांद, तारे, ग्रह, आकाशगंगा, आदि) इसी 'धुएं' से बने हैं, हमारा निष्कर्ष है कि जमीन और आसमान आपमे जुड़े हुए थे। फिर इसी 'धुएँ' से ये बने और एक दूसरे से अलग हो गए। ईश्वर क़ुरआन में कहता है:

"क्या उन लोगों ने जिन्होंने इनकार किया, देखा नहीं कि ये आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमने उन्हें खोल दिया..." (क़ुरआन 21:30)

डॉ. अल्फ्रेड क्रोनर विश्व के प्रसिद्ध भूवैज्ञानिकों में से एक हैं। ये भूविज्ञान के प्रोफेसर हैं और भूविज्ञान संस्थान, जोहान्स गुटेनबर्ग विश्वविद्यालय, मैन्ज़, जर्मनी में भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष हैं। इन्होंने कहा: "मुहम्मद जिस जगह से हैं . . . मुझे लगता है कि यह लगभग असंभव है कि वह ब्रह्मांड के बनने जैसी चीजों के बारे मे जान सके, क्योंकि वैज्ञानिकों ने पिछले कुछ वर्षो मे बहुत ही जटिल और उन्नत तकनीकी तरीकों से इसके बारे में पता लगाया है।"[2] (इस टिप्पणी का रियलप्लेयर वीडियो देखने के लिए यहां क्लिक करें)। उन्होंने यह भी कहा: "कोई व्यक्ति जो चौदह सौ साल पहले परमाणु भौतिकी के बारे में कुछ नहीं जानता था, मुझे नही लगता कि वह अपने दिमाग से यह पता लगा सके कि जमीन और आसमान का स्त्रोत एक ही है।" [3] (इस टिप्पणी का रियलप्लेयर वीडियो देखें).

फुटनोट:

[1] पहले तीन मनिट, ब्रह्मांड की उत्पत्ति का एक आधुनिक दृष्टिकोण, वैनबर्ग, पृष्ट 94-105.

[2] इसका हवाला है, *?? ?? ??* (वीडियो टेप)। इस वीडियो टेप की कॉपी के लिए, कृपया इस पेज पर जाएं.

[3] *?? ?? ??* (वीडियो टेप)।

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/hi/articles/212

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।